REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 6 | MARCH - 2019

"अनुसूचित जनजाति बालिकाओं हेतु संचालित योजनाओं का अध्ययन"

अमित चन्द्रा , डॉ. बीना सिंह
प. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

सारांश :– समाज के संतुलित विकास के लिए बालकों के साथ–साथ बालिकाओं की शिक्षा को महत्व दिया जाना आज की महती आवश्यकता है। चूँकि अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला साक्षरता अन्य जातियों की अपेक्षा बहुत कम है। छत्तीसगढ़ में देखे तो अनुसूचित जनजाति की साक्षरता औसत 59.09 प्रतिशत है, जिसमें 69.67 प्रतिशत पुरुष तथा 48.76 प्रतिशत महिलाएँ (2011 के अनुसार) ही शिक्षित हैं। शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं को प्रोत्साहन देने के लिए कई योजनाएँ चलाई जा रही है ताकि वे प्रेरित होकर अध्ययन हेतु शालाओं में पहुंचे, अध्ययन करे तथा लाभान्वित हों। इन योजनाओं का बालिकाओं की शिक्षा के संदर्भ में प्रभाविता का अध्ययन करने के लिए यह शोध कार्य किया गया है। शोध निष्कर्ष यह दर्शाते है कि सरस्वती सायकल योजना के लागू होने से शाला में 5–6 किमी दूरी से आने वाली छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के द्वारा 95 प्रतिशत परिवार बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए प्रेरित हुए है।

प्रस्तावना (Introduction) :– देश में शिक्षा की स्थिति को सुधारने के लिए और सार्वभौम बुनियादी शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार द्वारा सन् 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति घोषित की गयी। इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया था। वर्तमान युग में समाज के संतुलित विकास के लिए बालकों के साथ–साथ बालिकाओं की भी शिक्षा को महत्व देना होगा।

यद्यपि शासन ने शिक्षा के क्षेत्र में और विशेषकर अनुसूचित जनजाति वर्ग की शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन कर इनके शैक्षिक स्तर को सुधारने हेतु प्रयास किया है। जिसके फलस्वरूप इनके शिक्षा के स्तर और साक्षरता दर में बढ़ोत्तरी हुई है। शासन द्वारा लागु योजनाओं से इन्हे निश्चित रूप से लाभ तो मिला है, इसके द्वारा समाज को शिक्षा के प्रति जागृत कर बच्चों को शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययन हेतु आकृष्ट किया जा रहा है। विभाग की प्रमुख योजनाएँ जो उपरोक्त उद्धेश्यो सें संचालित है निम्नलिखित है –

1. निःशुल्क गणवेश योजना
2. छात्र दुर्घटना बिमा योजना
3. पुस्तकालय योजना
4. बालिका प्रोत्साहन योजना
5. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना
6. सरस्वती सायकल वितरण योजना

बालिकाओं के संदर्भ में निःशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना एवं सरस्वती सायकिल योजना मुख्य है। इस शोध में इस प्रमुख योजनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन किया गया है। ताकि इन्हें और अधिक प्रभावशाली बनाया जा सके।

शोध के उद्देश्य (Objective of the Study) –

शोध के निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये है –

1. सरस्वती सायकिल योजना के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त करना।
2. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त करना।
3. सरस्वती सायकिल योजना के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का पता लगाना।
4. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का पता लगाना।

परिकल्पनाएँ (Hypotheses) –

इस शोध के निम्नलिखित परिकल्पनाएँ निर्धारित की गयी है –

1. सरस्वती सायकल वितरण योजना के क्रियान्वयन में समस्याएँ नहीं पाई जाएगी।
2. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के क्रियान्वयन में समस्याएँ नहीं पाई जाएगी।
3. सरस्वती सायकल वितरण योजना से शालाओं में बालिकाओं की उपस्थिति दर में वृद्धि होगी।
4. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से शालाओं में बालिकाओं की उपस्थिति दर में वृद्धि होगी।
5. सरस्वती सायकल वितरण योजना से बालिकाओं के समय एवं श्रम की बचत होगी।
6. सरस्वती सायकल वितरण योजना से माता–पिता बालिकाओं को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित होंगे।
7. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से माता–पिता बालिकाओं को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित होंगे।

परिसिमन (Delimitation of the study) – यह शोध जांजगीर जिले की उच्चतर माध्यमिक शालाओं में अध्ययनरत बालिकाओं के लिए सरस्वती सायकल वितरण तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना तक परिसीमित है।

शोध प्रक्रिया (Research Process) – सर्वेक्षण विधि –

- **न्यादर्श (Sample) –** जांजगीर जिले के डभरा विकासखण्ड के आठ शालाएँ चयनित की गई। इन 8 शालाओं की 100 छात्राओं का यादृच्छिक चयन अध्ययन हेतु किया गया।
- **उपकरण (Tools) –**

प्रस्तुत शोध कार्य प्रदत्तों के संकलन के लिए निम्नलिखित स्वनिर्मित उपकरणों का प्रयोग किया गया है –

1. प्राचार्यो के लिए साक्षात्कार अनुसूची (सरस्वती सायकल वितरण योजना)
2. प्राचार्यो के लिए साक्षात्कार अनुसूची (निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना)
3. छात्राओं के लिए साक्षात्कार अनुसूची (सरस्वती सायकल वितरण योजना)
4. छात्राओं के लिए साक्षात्कार अनुसूची (निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना)

सांख्यिकी विश्लेषण (Statistical Operations) –

प्राप्त सांख्यिकी के आधार पर विश्लेषण निम्नानुसार किया गया –

परिकल्पना क्रमांक – 01

सरस्वती सायकल वितरण योजना के क्रियान्वयन में समस्याएँ नहीं पायी जायेंगी।

सारणी क्रमांक – 01 (अ)

क्र.	प्राचार्यो की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या पिछलें वर्षो में वितरित सायकल की गुणवत्ता से आप संतुष्ट है।	100%	0%
2	क्या सायकल वितरण सत्र आरंभ में हो जाता है।	0%	100%
3	क्या इस योजना से शैक्षिक लाभ मिल रहा है।	100%	0%
4	क्या सरस्वती सायकल वितरण में संस्था को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।	87.5%	12.5%

व्याख्या :– उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि प्राचार्य सायकल गुणवत्ता से संतुष्ट है किंतु इसके वितरण में समस्याएँ है।

सारणी क्रमांक – 01(ब)

क्र.	छात्राओं की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या आपको सरस्वती सायकल प्रदाय योजना की जानकारी है।	73%	27%
2	क्या सरकार बालिकाओं का विकास कर रही है।	95%	5%
3	क्या सरकार की योजना का क्रियान्वयन हो रहा है।	95%	5%
4	क्या सरकार की योजना सायकल प्रदान करके आपको लाभान्वित करना है।	95%	5%
5	क्या सरकार की योजना आप तक समय पर पहुंच जाती है।	89%	11%
6	क्या आप योजना का भरपूर लाभ उठा पाती है।	88%	12%
7	क्या आप इस योजना से खुश है।	93%	7%

व्याख्या :– छात्राओं से प्राप्त उत्तरों के अनुसार सरस्वती सायकल वितरण योजना के क्रियान्वयन में समस्याएँ नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक – 02

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के क्रियान्वयन में समस्याएँ नहीं पाई जायेगी।

सारणी क्रमांक – 02 (अ)

क्र.	प्राचार्यो की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या पिछले वर्ष में वितरित पाठ्य वितरण से विद्यालय की शिक्षा गुणवत्ता में सुधार पाया गया।	100%	0%
2	क्या पाठ्यपुस्तक वितरण सत्र आरंभ में हो जाता है।	100%	0%
3	यदि विलंब से पुस्तक वितरण होता है तो शैक्षिक समस्याएँ आती है।	100%	0%
4	पुस्तक वितरण योजना में क्या संस्था को परेशानियां आती है।	37.5%	62.5%

व्याख्या :– प्रस्तुत सारणी को देखने से स्पष्ट होता है कि प्राचार्यो के अनुसार यदि विलंब से पुस्तक वितरण होता है तो शैक्षिक समस्याएँ आती है। प्रश्न क्रमांक 7 में 37.5 प्रतिशत प्राचार्यो का कहना है कि पुस्तक वितरण योजना में संस्था की परेशानी आती है।

सारणी क्रमांक – 02 (ब)

क्र.	छात्राओं की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या इस योजना से छात्राओं को शैक्षिक लाभ मिल रहा है।	100%	0%
2	क्या आपको निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना की जानकारी है।	77%	23%
3	क्या सरकार बालिकाओं का विकास चाहती है।	62%	38%
4	क्या सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है।	91%	9%
5	क्या सरकार निःशुल्क पुस्तक प्रदान करके आपको लाभान्वित कर रही है।	93%	7%
6	क्या सरकार की इस योजना का लाभ आपको समय पर मिल रहा है।	92%	8%
7	क्या आप इस योजना का भरपूर लाभ उठा पाती है।	85%	15%
8	क्या आप और आपका परिवार इस योजना से संतुष्ट है।	94%	6%
9	क्या आप और आपका परिवार इस योजना से संतुष्ट है।	95%	5%

व्याख्या :– छात्राओं से प्राप्त उत्तरों के अनुसार निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के क्रियान्वयन में समस्याएँ नहीं है।

परिकल्पना क्रमांक – 03

सरस्वती सायकल वितरण योजना से शालाओं में बालिकाओं के उपस्थिति दर में वृद्धि होगी।

सारणी क्रमांक – 03

क्र.	प्राचार्यो की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या आपके अनुसार सरस्वती सायकल योजना लागू होने के उपरांत शाला ममें 5 से 8 कि.मी. की दूरी से आने वाली छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है।	100%	0%
2	क्या यह योजना बालिकाओं में शिक्षा के प्रति रूचि तथा उत्साहवर्धन में सहायक है।	100%	0%
3	क्या यह योजना छात्राओं को आत्मनिर्भर, साहसी एवं उनके व्यक्तित्व विकास में सहायक है।	100%	0%

व्याख्या :– प्राचार्यो के अनुसार सरस्वती सायकल वितरण योजना से बालिकाओं की उपस्थिति दर में वृद्धि हुयी है। अतः परिकल्पना – 03 की पुष्टि होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 04

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से शालाओं में बालिकाओं के उपस्थिति दर में वृद्धि होगी।

सारणी क्रमांक – 04

क्र.	प्राचार्यो की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या इस योजना से छात्राओं को शैक्षिक लाभ मिल पा रहा है।	100%	0%
2	क्या यह योजना ने समाज में शिक्षा के उत्थान तथा समाज के विकास में सहायक है।	87.5%	12.5%
3	क्या इस योजना के लागू करने के उपरांत शाला त्यागी छात्राओं की संख्या में कमी आई है।	100%	0%

व्याख्या :– प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट होता है कि 100% प्राचार्यो के अनुसार निःशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना से छात्राओं की उपस्थिति दर में वृद्धि हुयी है। अतः परिकल्पना – 04 की पुष्टि होती है।

परिकल्पना क्रमांक – 05

सरस्वती सायकल वितरण योजना से बालिकाओं के समय एवं श्रम की बचत होगी।

सारणी क्रमांक – 05

क्र.	छात्राओं की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ / नहीं	
1	क्या आपके स्कूल जाने का माध्यम सायकल है।	86%	14%
2	क्या शाला सायकल से आने पर समय एवं श्रम की बचत होती है।	93%	7%
3	क्या सायकल आपको अपने निजी कार्यो को सम्पादित करने में सहायक है।	96%	4%
4	क्या सायकल मिलने से पहले आपको शाला आने व अपने निजी कार्यो को करने में असुविधा होती थी।	88%	12%

व्याख्या :– उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि सरस्वती सायकल वितरण योजना से बालिकाओं के समय व श्रम की बचत होती है अतः परिकल्पना – 05 की पुष्टि हो रही है।

परिकल्पना क्रमांक – 06

सरस्वती सायकल वितरण योजना से माता–पिता, बालिकाओं को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित होंगे।

सारणी क्रमांक – 06

क्र.	छात्राओं की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ / नहीं	
1	क्या आपके परिवार में लड़कियों को शाला भेजने के लिए प्रेरित किया जाता है।	95%	5%
2	क्या आपके गांव में हाईस्कूल की शिक्षा उपलब्ध है।	68%	32%
3	क्या सरस्वती सायकल योजना आपको शाला भेजने में सहायक हुई	92%	8%
4	क्या आपके परिवार में लड़कियो को पढ़ाया जाता है।	96%	4%
5	क्या सरस्वती सायकल योजना में प्राप्त सायकल से आप प्रतिदिन विद्यालय जाती है।	86%	4%
6	क्या आपके माता–पिता आपको शिक्षा में आगे पढ़ाने के लिए प्रेरित हुए है।	96%	4%
7	क्या इस योजना से आपका परिवार प्रभावित होता है।	95%	5%

व्याख्या :– उपरोक्त सारणी में किये प्रश्नों के द्वारा परिकल्पना क्रमांक – 06 की पुष्टि हो रही है।

परिकल्पना क्रमांक – 07

निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से माता–पिता, बालिकाओं को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित होंगे।

सारणी क्रमांक – 07 (अ)

क्र.	छात्राओं की साक्षात्कार अनुसूची प्रश्न	प्रतिशत में उत्तर हॉ/नहीं	
1	क्या आपके परिवार में लड़कियों को शाला भेजने के लिए प्रेरित किया जाता है।	96%	4%
2	क्या निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से आपका परिवार आपको शाला भेजने के लिए प्रेरित हो रहा है।	95%	5%
3	क्या आपके माता–पिता आपको उच्च शिक्षा देना चाहते है।	95%	5%
4	क्या शिक्षा से आपका परिवार प्रभावित होता है।	94%	6%
5	क्या शिक्षा का उपयोग आप समाज के विकास के लिए करेंगी	95%	5%
6	क्या आपके शिक्षा प्राप्त करने का उद्देश्य आत्मनिर्भर होना है।	92%	8%

व्याख्या :– उपरोक्त तालिक द्वारा दर्शाये गये प्रश्नों के अवलोकन करने के बाद यह निष्कर्ष निकलता है कि परिकल्पना 7 की पुष्टि हो रही है।

निष्कर्श (Conclusions) –

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध में शोधकर्ता द्वारा निम्न निष्कर्ष प्राप्त किये गये :–

1. सरस्वती सायकल वितरण योजना के क्रियान्वयन में यह देखी गयी है कि यदि इस योजना का क्रियान्वयन सत्र आरंभ में नहीं हो तो, संस्था को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के बावजूद सरस्वती सायकल योजना से बालिकाओं को शैक्षिक लाभ मिल रहा है। बालिकाएं इस योजना से खुश है।
2. सरस्वती सायकल वितरण योजना से बालिकाओं की उपस्थिति दर में वृद्धि हुई है। इस योजना के लागू होने से शाला में 5 से 8 कि.मी. की दूरी से आने वाली छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है क्योंकि कई दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में हाईस्कूल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। ऐसी परिस्थिति में यह योजना करागर साबित हो रही है।
3. सरस्वती सायकल योजना से बालिकाओं के समय एवं श्रम की बचत हुई है। अध्ययन हेतु चयनित शालाओं के अवलोकन करने से ज्ञात हुआ है कि 93 प्रतिशत बालिकाओं के समय एवं श्रम की बचत हो रही है।
4. सरस्वती सायकल योजना से माता–पिता अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित हो रहे है। यह 92 प्रतिशत बालिकाओं को शाला भेजने में सहायक हुई है। 96 प्रतिशत माता–पिता अपने बच्चों को आगे पढ़ाने के लिए प्रेरित हुए है।
5. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है। इस योजना में भी कुछ परेशानी होती है। लेकिन इसका हल निकल जाता है।
6. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के द्वारा 95 प्रतिशत परिवार बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए प्रेरित हुए है।
7. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से बालिकाओं में शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ी है एवं उत्साहवर्धन हुआ।
8. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना के द्वारा 95 प्रतिशत परिवार बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए प्रेरित हुए है।

सुझाव (Suggestions) :–

1. सरस्वती सायकल वितरण सत्रारंभ में हो जाना चाहिए ताकि बालिकाओं को इसका भरपुर लाभ मिल सकें।
2. सरस्वती सायकल योजना का लाभ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एव बी.पी. एल.कार्डधारी बालिकाओं के अतिरिक्त उच्च शैक्षणिक योग्यता वाली छात्राओं को भी मिलना चाहिए।
3. सरस्वती सायकल वितरण योजना की प्रक्रिया को सरल किया जाना चाहिए।
4. निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना से संस्था मे जो परेशानियॉ होती है उन्हें प्राचार्यो एवं शिक्षकों से मिलकर दूर करना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ (References) :–

1. जैन, शिल्पा, (2016). प्राचिन काल से वर्तमान काल तक नारी चेतना का सामाजिक परिवर्तन एवं विकास में योगदान. *नई शिक्षा पद्धति,* अंक 06, 86–89
2. झाझड़िया, रीता. (2017). उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की बालिकाओं की नामांकन स्थिति– प्रवृत्ति विश्लेशण. *शोध समिक्षा एवं मुल्यांकन,* (फरवरी), 32–33.
3. खान, तबस्सूम (2013) '' गोंड़ जनजाति की परंपरागत जानकारी का शैक्षिक व सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन, (एम.एड. शोधप्रबंध, कोणार्क शिक्षा महाविद्यालय जॉजगीर)
4. खरे, साधना (1998) '' कोरबा क्षेत्र की जनजातियों में सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन – एक अध्ययन (पी–एच. डी. समाजशास्त्र गुरू घासीदास विश्वविद्यालय)
5. कुमारी, सुमन (2011) ने पेटरवार विकासखण्ड की विशिष्ट आदिवासी संथाल जनजाति के बच्चों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन. (एम.एड. शोधप्रबंध, कोणार्क शिक्षा महाविद्यालय जॉजगीर)
6. मिश्रा, रंजना (1999) ने बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा : प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के संदर्भ में एक अध्ययन. (पी–एच0डी0, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी.)
7. राय, कृष्णकांत. (2016). अनुसूचित जनजाति में बालिका शिक्षा के लिये किए गए शासन के प्रयास. *नई शिक्षा पद्धति.* अंक 12. 138–141.
8. राय, कृष्णकांत. (2016). बैगा जनजाति में बालिका शिक्षा– एक अध्ययन. *नई शिक्षा पद्धति,* अंक 12. 129–131.
9. शुक्ला, कीर्ति. (2016). प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं की शैक्षणिक स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन– रीवां जिले के विशेष संदर्भ में . *नई शिक्षा पद्धति.* 9. 141–143.